Total No. of Printed Pages—11

HS/XII/A. Sc. Com/H/22

2022

HINDI

(Modern Indian Language)

Full Marks : 100

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

General Instructions :

(i) Write all the answers in the Answer Script.

(ii) Attempt Part—A (Objective Questions) serially.

(iii) Attempt all parts of a question together at one place.

(PART : A—OBJECTIVE)

(*Marks* : 50)

1. पाठ्य-पुस्तक के आधार पर जो कथन सत्य है, उसके सामने 'सही' और जो गलत है, उसके सामने 'गलत' लिखिए (कोई **दस**) : 1×10=10

(क) 'मधुशाला' हरिवंश राय बच्चन की रचना है।

(ख) कुँवर नारायण की कविता में व्यर्थ का उलझाव अखबारी सतहीपन और वैचारिक धुंध के बजाय संयम, परिष्कार और साफ़-सुथरापन है।

(ग) शमशेर बहादुर सिंह 'उर्दू-हिन्दी कोश' के सम्पादक थे।

(घ) सूर्यकांत त्रिपाठी निराला लोकमंगल की साधना के कवि के रूप में प्रतिष्ठित हैं।

(ङ) घने शोक-परिवेश में हनुमान का संजीवनी लेकर आ जाना कवि को करुण रस के बीच शृंगार रस के उदय के रूप में दिखता है।

(च) बादल के भीतर सृजन और ध्वंस की ताकत एकसाथ समाहित है।

(छ) बाज़ार को सार्थकता वही मनुष्य देता है, जो यह नहीं जानता है कि वह क्या चाहता है।

(ज) हिन्दी जगत् में आंचलिक उपन्यासों पर विमर्श 'त्यागपत्र' से ही प्रारम्भ हुआ।

(झ) हम सब चार्ली हैं क्योंकि हम सुपरमैन नहीं हो सकते।

(ञ) नज़रुल इस्लाम ऊर्दू भाषा के कवि थे।

(ट) बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर ने संस्कृत का धार्मिक, पौराणिक और पूरा वैदिक वाङ्मय अनुवाद के ज़रिये पढ़ा था।

(ठ) श्रम-विभाजन की दृष्टि से जाति-प्रथा गंभीर दोषों से युक्त नहीं है।

2. कोष्ठकों में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए (कोई **पाँच**) : 1×5=5

(क) मैं _____ को खोलने के बजाय उसे बेतरह कसता चला जा रहा था।

(पेंच/चूड़ी)

(ख) ''मैं दीवानों का वेश लिए फिरता हूँ'' _____ कविता की पंक्ति है।

(आत्मपरिचय/बादलराग)

(ग) दासता का सबसे व्यापक व गहन रूप _____ दासता है।

(राजनीतिक/सामाजिक)

(घ) हमारे बीच _____ कम हैं जबकि हर व्यक्ति दूसरे को कभी-न-कभी विदूषक समझता है।

(नायक/खलनायक)

(ङ) मुहब्बत तो कस्टम से इस तरह गुज़र जाती है कि _____ हैरान रह जाता है।

(पुलिस/कानून)

(च) _____ कविता शिल्प संबंधी बहुत-से प्रयोग लेकर आई।

(प्रगतिवादी/प्रयोगवादी)

(छ) उहाँ राम लछिमनहि निहारी। बोले बचन _____ अनुसारी।

(अनुज/मनुज)

3. प्रत्येक प्रश्न का सही उत्तर चुनकर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए (कोई **पाँच**) : 1×5=5

(क) ''खेती न किसान को, भिखारी को न भीख बलि।'' यह किस कविता की पंक्ति है?

(i) बादलराग

(ii) कवितावली

(iii) दोहावली

(iv) आत्मपरिचय

(ख) ''बाज़ार से हठपूर्वक विमुखता उनमें नहीं है'' किसके संबंध में कहा गया है?

(i) लुट्टन

(ii) सफिया

(iii) चाँद सिंह

(iv) भगत जी

(ग) 'बादलराग' नामक कविता सूर्यकांत त्रिपाठी निराला के किस काव्य-ग्रंथ में संकलित है?

(i) अनामिका

(ii) परिमल

(iii) गीतिका

(iv) नए पत्ते

(घ) चार्ली चैप्लिन की पहली फिल्म का नाम क्या था?

(i) मेट्रोपोलिस

(ii) ट्रैम्प

(iii) मेकिंग ए लिविंग

(iv) द सैक्रिफाइस

(ङ) 'एनीहिलेशन ऑफ़ कास्ट' के लेखक कौन हैं?

(i) जवाहरलाल नेहरू

(ii) खुशवंत सिंह

(iii) महात्मा गाँधी

(iv) डॉ॰ भीमराव अंबेडकर

(च) हिन्दी साहित्य में हालावाद के प्रवर्तक कौन थे?

(i) अज्ञेय

(ii) हरिवंश राय बच्चन

(iii) जयशंकर प्रसाद

(iv) महादेवी वर्मा

(छ) ''अगर ला सको तो थोड़ा-सा लाहौरी नमक लाना।'' यह उक्ति किसकी है?

(i) सफिया

(ii) सुनील दासगुप्त

(iii) सिख बीबी

(iv) पुलिस अफ़सर

4. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर लगभग *100* शब्दों में निबंध लिखिए : 10

(क) मेघालय का प्राकृतिक सौंदर्य

(ख) इंटरनेट—लाभ और हानि

(ग) शिक्षक दिवस

(घ) कोरोना वायरस एक वैश्विक महामारी

(ङ) ओलम्पिक खेल, 2020

5. अपने बीमार मित्र को धीरज बँधाते हुए एक पत्र लिखिए। 10

अथवा

अपने छोटे भाई को पत्र लिखिए, जिसमें कुसंगति से बचने की सलाह दी गई हो।

अथवा

शिलांग शहर में निरंतर बढ़ती ट्रैफिक की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए समाचार-पत्र के संपादक को एक पत्र लिखिए।

6. निम्नलिखित प्रश्नों में से (क) **अथवा** (ख) का उत्तर दीजिए : 10

(क) निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

गत दशकों में पश्चिम का अनुकरण करके विज्ञान और शिल्पीय विकास की उपलब्धियों से लाभ उठाकर हमने अपने देश को आगे बढ़ाने का जी-जान से प्रयत्न किया है, परन्तु दूसरी ओर हमारी असली बुनियाद को धक्का लग रहा है—इस बात की ओर हमारा ध्यान जाना चाहिए। मानव-जीवन का आधार कोरी दाल-रोटी नहीं, मानसिक सुख-शांति है। ''सादगी और उच्च विचार'' के आदर्श की जगह ''खाओ-पियो-मौज करो'' का आकर्षण बढ़ता जा रहा है। स्वतंत्रता उच्छृंखलता का पर्याय बनती जा रही है। घूसखोरी, नशेबाजी, भोग-लिप्सा बढ़ती जा रही है। कुछ अराजकता—जैसी स्थिति बनती जा रही है। उदार शिक्षण से, संपर्क की सुगमता से, जहाँ भावनाएँ उदार और व्यापक बनती जा रही हैं वहाँ व्यक्तिगत जीवन में हम अपने आदर्शों से गिरते नजर आ रहे हैं। बुद्धिवाद हमें संवेदनहीन बना रहा है, मानवता से पशुता की ओर धकेल रहा है। हम विज्ञान का सहारा लेकर मानवीय मूल्यों का अवमूल्यन करते दिखाई पड़ रहे हैं। विज्ञान और अध्यात्म वास्तव में एक ही सिक्के के दो पहलू हैं—दोनों सत्यशोधक हैं एक भौतिक, व्यक्त जगत् में शोध करता है, सत्य का पता लगाता है, दूसरा आत्मिक, अव्यक्त जगत् में। दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं, परन्तु हम इनके टुकड़े करके

स्वयं टुकड़े-टुकड़े हुए जा रहे हैं। हमारे बड़ों ने स्वार्थ और परमार्थ दोनों की सिद्धि का आदर्श हमारे सामने रखकर जीवन में एक संतुलन बनाने का प्रयास किया था। यह संतुलन राष्ट्रीय या भावनात्मक एकता का भी पर्याय है। विभिन्न प्रान्तों और भाषाओं में संतुलन बैठाना ही हमारा लक्ष्य और कर्तव्य होना चाहिए। इस संतुलन से ही सामाजिक, सार्वजनिक और राजनीतिक जीवन में नैतिकता और सदाचार की प्रतिष्ठा होगी।

(i) ''खाओ-पियो-मौज करो'' की विचारधारा किसकी देन है? जीवन और समाज में इसका प्रभाव किन रूपों में दिखाई देता है?

(ii) 'उदार शिक्षण' और 'संपर्क' की सुगमता के क्या परिणाम दिखाई पड़ रहे हैं?

(iii) विज्ञान और अध्यात्म को एक ही सिक्के के दो पहलू क्यों कहा गया है?

(iv) प्रत्येक व्यक्ति का लक्ष्य और कर्तव्य क्या होना चाहिए?

(v) उपर्युक्त गद्यांश के लिए एक उचित शीर्षक दीजिए।

अथवा

(ख) *(i)* निम्नलिखित शब्दों की सन्धि कीजिए (कोई **चार**) : 1×4=4

(अ) शरण + आगत

(आ) सम् + तोष

(इ) मनः + रथ

(ई) परम + आत्मा

(उ) अति + आचार

(ऊ) इति + आदि

(ii) निम्नलिखित शब्दों के समास-विग्रह कीजिए (कोई **तीन**) : 1×3=3

(अ) यथासमय

(आ) बारहसिंगा

(इ) हार-जीत

(ई) अकालपीड़ित

(उ) भोजनालय

(iii) निम्नलिखित वाक्यों में से सरल, मिश्रित और संयुक्त वाक्य पहचानिए (कोई **तीन**) : 1×3=3

(अ) मैं एक सिद्ध महापुरुष से मिला।

(आ) जैसे ही सर्दी बढ़ी वैसे ही उसके जोड़ों का दर्द भी बढ़ गया।

(इ) संतोषी सदैव सुखी रहते हैं।

(ई) पिताजी अस्वस्थ हैं इसलिए मुझे जाना ही पड़ेगा।

(उ) लोकमान्य तिलक का कथन था कि स्वराज्य मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है।

(PART : B—DESCRIPTIVE)

(*Marks* : 50)

7. निम्नलिखित पद्यों/अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 5×2=10

(क) मैं यौवन का उन्माद लिए फिरता हूँ,
उन्मादों में अवसाद लिए फिरता हूँ,
जो मुझको बाहर हँसा, रुलाती भीतर,
मैं, हाय, किसी की याद लिए फिरता हूँ।

अथवा

जैहउँ अवध कवन मुहुँ लाई। नारि हेतु प्रिय भाइ गँवाई।।
बरु अपजस सहतेउँ जग माही। नारि हानि बिसेष छति नाहीं।।

अथवा

अशनि पात से शापित उन्नत शत-शत वीर,
क्षत-विक्षत हत अचल-शरीर,
गगन-स्पर्शी स्पर्द्धा धीर।।

(ख) बाजार में एक जादू है। वह जादू आँख की राह काम करता है। वह रूप का जादू है पर जैसे चुंबक का जादू लोहे पर ही चलता है, वैसे ही इस जादू की भी मर्यादा है।

अथवा

जाति-प्रथा को यदि श्रम-विभाजन मान लिया जाए, तो यह स्वाभाविक विभाजन नहीं है, क्योंकि यह मनुष्य की रुचि पर आधारित नहीं है।

अथवा

चैप्लिन ने न सिर्फ फिल्म कला को लोकतांत्रिक बनाया बल्कि दर्शकों की वर्ग तथा वर्ण-व्यवस्था को तोड़ा।

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर **दो-तीन** वाक्यों में दीजिए (कोई **पाँच**): 2×5=10

(क) लेखक के मत से दासता की व्यापक परिभाषा क्या है?

(ख) जब सफिया अमृतसर पुल पर चढ़ रही थी, तो कस्टम ऑफिसर निचली सीढ़ी के पास सिर झुकाए चुपचाप क्यों खड़े थे?

(ग) लेखक ने चार्ली का भारतीयकरण किसे कहा और क्यों?

(घ) बाजार में भगत जी के व्यक्तित्व का कौन-सा सशक्त पहलू उभरकर आता है?

(ङ) शीतल वाणी में आग—के होने का क्या अभिप्राय है?

(च) 'बादलराग' कविता में निराला जी की सहानुभूति समाज के कौन-से वर्ग के साथ है?

(छ) लक्ष्मण के चरित्र की दो विशेषताएँ लिखिए।

9. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए (कोई **दो**) : 5×2=10

(क) लुट्टन का बचपन कैसे बीता?

(ख) जाति-प्रथा को श्रम-विभाजन का ही एक रूप न मानने के पीछे अंबेडकर के क्या तर्क हैं?

(ग) शोकग्रस्त माहौल में हनुमान के अवतरण को करुण रस के बीच वीर रस का आविर्भाव क्यों कहा गया है?

(घ) सूर्योदय से ऊषा का कौन-सा जादू टूट रहा है?

(ङ) सफिया ने भाई से क्या पूछा और उसने क्या उत्तर दिया?

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 5×4=20

(क) ऐन के मम्मी और पापा ने अज्ञातवास में जाने की तैयारी कब और कैसे शुरू की थी?

(ख) मुहन जो-दड़ो के सामूहिक स्नानागार की किन विशेषताओं के कारण इसे धार्मिक स्थान माना जाता है? स्पष्ट कीजिए।

(ग) अज्ञातवास में रहते हुए भी ऐन फिल्मों के प्रति अपनी रुचि एवं जानकारी कैसे बनाये रखती है?

(घ) ऐन हॉलेण्ड की तत्कालीन दशा के बारे में क्या बताती है?

(ङ) सिन्धु सभ्यता की सामाजिक एवं सांस्कृतिक विशेषता क्या है?

(च) ऐन अधिक से अधिक कपड़े ले जाने के लिए क्या करती है?

(छ) सिंधु-सभ्यता की खूबी उसका सौंदर्य-बोध है जो राज-पोषित या धर्म-पोषित न होकर समाज-पोषित था। ऐसा क्यों कहा गया है?

★★★